पार्क में निम्नलिखित कार्य करना अनिवार्य होगें

1. मिट्टी की तैयारी (Soil Preparation)

- **विधि:** मिट्टी हल्की, भुरभुरी और उपजाऊ होनी चाहिए. इसके लिए 40% सामान्य बगीचे की मिट्टी, 30% जैविक खाद (गोबर की खाद या वर्मीकम्पोस्ट), 20% कोकोपीट (नमी बनाए रखने के लिए), और 10% रेत या परलाइट मिलाकर मिटटी तैयार करने का कार्य.
- **सुधार:** यदि मिट्टी बहुत सख्त है, तो उसमें सड़ी हुई गोबर की खाद या केंचुए की खाद (Vermicompost) मिलाकर मिट्टी को भुरभुरा बनाने का कार्य
- **कीटाणुशोधन:** मिट्टी में फंगस से बचने के लिए, 1 चम्मच ट्राइकोडर्मा या नीम खली का उपयोग करें

2. उचित पोषण और खाद (Fertilizer Management)

- **विधि:** फूल आने की अवस्था (Flowering Stage) शुरू होते ही, पौधों में फास्फोरस और पोटाश-युक्त जैविक खाद जैसे- बोनमील (Bone meal) या वर्मीकम्पोस्ट हर 15-20 दिन में नियमित डालने का कार्य.
- **लिक्विड खाद:** केले के छिलके और सरसों की खली का पानी में घोल (liquid fertilizer) बनाकर डालना बहुत प्रभावी होता है. नियमित रूप से इसका उपयोग पार्क में किया जावे
- **सूक्ष्म पोषक तत्व:** चमकदार फूलों के लिए, मैग्नीशियम सल्फेट (Epsom salt) का उपयोग करना अनिवार्य होगा

3. पानी देने का सही तरीका (Watering)

- **विधि:** पानी हमेशा सुबह या शाम को दें, कभी भी दोपहर की तेज धूप में न दें.
- **तरीका:** मिट्टी की ऊपरी सतह सूखने पर ही दोबारा पानी दें. पानी पौधे की जड़ों में दें, न कि पत्तियों या फूलों पर.

4. कटाई-छँटाई और देखभाल (Pruning & Care)

- **पिंचिंग (Pinching):** पौधे को घना बनाने के लिए, शुरुआती अवस्था में शीर्ष की पत्तियों को तोड़ दें.
- **डेडहेडिंग (Deadheading):** सूखे हुए फूलों को तुरंत काट कर हटा दें, ताकि नई कलियां आ सकें.
- **कटिंग (Pruning):** गर्मियों से पहले गुडहल, मोगरा आदि की कटिंग/रिपोटिंग करें.

5. कीट और रोग नियंत्रण (Pest Control)

- **विधि:** जैविक कीटनाशक के रूप में नीम के तेल (Neem Oil) का छिड़काव हर 15-20 दिनों में करें.
- **बचाव:** मिट्टी में नीम की खली मिलाने से जड़ के कीड़ों से बचाव होता है.

6. धूप का प्रबंधन (Sunlight)

- **विधि:** ज्यादातर फूलों वाले पौधों को दिन में 5-6 घंटे की सीधी धूप की आवश्यकता होती है.
- **ग्रीन नेट:** भीषण गर्मी (मई-जून) में, पौधों को बचाने के लिए 50% शेड वाली ग्रीन नेट का उपयोग करना अनिवार्य होगा।

अतिरिक्त सुझाव:

- अपने स्थानीय जलवायु के अनुसार फूलों के बीज (जैसे सर्दियों में गेंदा, गुलाब) सितंबर-अक्टूबर में बोएं.
- पौधों को स्ट्रेस से बचाने के लिए, एनपीके के साथ अमीनो एसिड का उपयोग करें, जो फूलों की संख्या बढ़ाता है

सार्वजनिक उद्यान की देखभाल के प्रमुख चरण यहाँ दिए गए हैं:

- **नियमित देखभाल:** पौधों को नियमित रूप से पानी दें, विशेषकर गर्मियों में। घास को नियमित रूप से काटना (mowing) आवश्यक है।
- **खरपतवार नियंत्रण:** अप्रैल के मध्य में वीड-बी-गॉन जैसे उत्पादों का उपयोग करके खरपतवार हटाएं।
- **सफाई और रखरखाव:** उद्यान के रास्तों को चिन्हित और साफ रखें ताकि लोग उन पर चलें। कचरे के उचित निपटान के लिए पर्याप्त कूड़ेदान स्थापित करें।
- **पेड़-पौधों की देखभाल:** मौसमी फूल और फलदार पेड़ जैसे अमरूद या नींबू लगाएं। पौधों की वृद्धि के लिए आवश्यक होने पर सही खाद का उपयोग करें।
- **सुरक्षा और सुरक्षा:** सार्वजनिक उद्यानों के संचालन और रखरखाव के लिए निरंतर निगरानी आवश्यक है। एवं ठेकेदार को पार्क की सुरक्षा हेतु आवश्यक् गार्ड एवं कर्मचारी रखना अनिवार्य होगा जिसकी सूचना एवं जानकारी कार्यालय में प्रस्तुत करना होगी।

अन्य निर्देश

- उद्यान में ऋतु (ग्रीष्म,शरद,बसंत) आदि के हिसाब फूलों के पौधे रोपित करना एवं उनकी देखरेख फूलों की उत्पादकता का विशेष ध्यान रखना अनिवार्य होगा ।
- पौधों में पानी की उपलब्धिता सुनिश्चित करना अनिवार्य होगा।
- उद्यान की साफ सफाई का विशेष ध्यान रखना होगा एवं हैगिंग डस्बिन स्थापित करना होगा।
- उद्यान में पर्याप्त प्रकाश-व्यवस्था रखना होगी एवं पूर्व से स्थापित उपकरणों की देखरेख करना अनिवार्य होगा।
- उद्यान को प्रात: 5 बजे से 10 बजे तक एवं सायं 4 बजे से 7 बजे तक खोलना एवं बंद करना होगा।

Signature Not Verified
Digitally signed by Manish Tivari
Date: 2026.05.15 17:34:09 IST
Location: Madhya Pradesh-MP